KIRAN
A Ray of Hope into Lives

किरण सोसाइटी

में बागवानी (हार्टिकल्चर) एवं कृषि (फार्मिंग) में दो वर्षीय रोज़गारपरक प्रशिक्षण प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

प्रवेश प्रारंभ

- न्यूनतम उम्र 15 वर्ष
- न्यूनतम अहर्ता 5 उत्तीर्ण
- मासिक प्रशिक्षण भत्ता देय
- हास्टल/बस की सुविधा
- कम्प्यूटर/अंग्रेज़ी सीखने का अवसर
- प्रशिक्षण के साथ अन्य सांस्कृतिक/विविध कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि- 31 मई 2016 तथा सत्रः **2016-17** हेतु प्रशिक्षुओं के चयन उपरांत दो वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करने की तिथि **01-07-2016**, है। (आवेदन फार्म किरण रिसेप्शन से आप प्राप्त कर सकते हैं।) ***नोटः आवेदन फार्म में अपना पूरा पता एवं मोबाइल नं० अवश्य लिखें।***

प्रशिक्षण केन्द्रः

किरण सोसाइटी, ग्रामः माधोपुर, पोस्टः कुरुहुँआ, जिलाः वाराणसी-221011, उ०प्र०। संपर्क नम्बरः 0542 2670165-66।

वेबः www.kiranvillage.org

जल्दी कीजिये

नोटः

उपरोक्त प्रशिक्षण पूर्णावधी उपरांत किरण में कार्य करने संबंधी किसी प्रकार का आश्वासन/ज़िम्मेदारी किरण सोसाइटी की नहीं होगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणः

- ज़ैविक विधि द्वारा बागवानी एवं कृषि के गुण सीखना।
- खेतों की गुणवत्तानुसार उपज का नियोजन एवं निर्धारण।
- पौधों के जीव विज्ञानी नाम, उनके गुणों एवं उपयोगिताओं के बारे में जानना।
- उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग द्वारा बागवानी/कृषि के कार्यों पर बल देना।
- बडिंग एवं क्राफ्टिंग विधि द्वारा पौधों की खेप तैयार करना।
- पेड़-पौधों की मौसमी/नियमित गोड़ाई, सींचाई एवं छंटाई के तरीके सीखना।
- जमीन/गमले/घुलनशील पैकेट में पौधशाला/नर्सरी तैयार करने की विधि जानना।
- क्रास ब्रीडिंग विधि द्वारा पौधों की गुणवत्ता अथवा उत्पादन बढ़ाने की विधि जानना।
- एक मौसम में दो अंतरालों पर कृषि फसलों/बागवानी संबंधी पौधों के उत्पादन की विधि सीखना।
- शेड कल्टीवेशन/पाली हाउस विधि द्वारा उत्पादकता बढ़ाने की तरीके जानना (आगामी समय में संभावित)।
- प्राकृतिक/लॉन ग्रास उगाने/कटिंग की विधि सीखना।
- जैविक खाद, गोबर, गौमूत्र एवं प्राकृतिक खनिजों को नियमित अनुपात में डालकर खेत तैयार करने की विधि सीखना।
- मृदा ऊर्वरता को प्राकृतिक संसाधनों द्वारा बढ़ाने की विधि एवं उनके अनुपात जानना।
- नेड-अप विधि द्वारा जैविक खाद बनाने की प्रकृया सीखना।
- केंचुए द्वारा खाद बनाने की विधि सीखना।
- गोबर गैस द्वारा खाद बनाने की प्रकृया जानना।
- हानिकारक मौसमी कीटों, फंफूदों, इत्यादि तथा इनके द्वारा उपजित बीमारियों के बारे में जानना।
- गौमूत्र एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों द्वारा कीटनाशक दवा तैयार करने एवं छिड़काव की विधि जानना।
- मृदा परीक्षण कराने की विधि के बारे में जानना।
- आवश्यकता पड़ने पर अन्य संस्थाओं में शैक्षणिक भ्रमण एवं उनके अनुभवों/तकनीकों के अवलोकन का मौका।
- मुख्यतः प्रायोगिक प्रशिक्षण के साथ विशेषज्ञों द्वारा कक्षा में पढ़ाई।
- संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों से समय-समय पर सलाह-परामर्श।